# Ο Μωυσής

Ο Μωυσής φέρθηκε με ταπεινοφροσύνη. Τα λόγια του έδειχναν σεμνότητα, ευγένεια, σοβαρότητα σκέψης και μεγαλείο ψυχής! Ήταν μετριόφρων και συνετός. Γι' αυτό και τον διάλεξε ο Θεός για αρχηγό του λαού Του.

Τέτοιες αρετές πρέπει και μείς να ζητούμε από τον ουράνιο Πατέρα μας! Άγιες αρετές! Ουράνιες αρετές, όχι επίγειες και εφήμερες! Να ζητάμε κι εμείς τις αρετές του Μωυσή.

**Κύριε, χάρισέ μου τις αρετές του Μωυσή!**

**Απολυτίκιο Εισοδίων (Κατέβασμα) - Ἦχος δ'**

Σήμερον τῆς εὐδοκίας Θεοῦ τὸ προοίμιον, καὶ τῆς τῶν ἀνθρώπων σωτηρίας
ἡ προκήρυξις ἐν Ναῷ τοῦ Θεοῦ, τρανῶς ἡ Παρθένος δείκνυται,
καὶ τὸν Χριστὸν τοῖς πᾶσι προκαταγγέλλεται. Αὐτῇ καὶ ἡμεῖς μεγαλοφώνως
βοήσωμεν, Χαῖρε τῆς οἰκονομίας τοῦ Κτίστου ἡ ἐκπλήρωσις.

**Κοντάκιον - Ἦχος δ'. Ὁ ὑψωθεὶς.**

Ὁ καθαρώτατος ναὸς τοῦ Σωτῆρος, ἡ πολυτίμητος παστὰς καὶ Παρθένος,
τὸ Ἱερὸν θησαύρισμα τῆς δόξης τοῦ Θεοῦ, σήμερον εἰσάγεται,
ἐν τῷ οἴκῳ Κυρίου, τὴν χάριν συνεισάγουσα, τὴν ἐν Πνεύματι θείῳ·
ἣν ἀνυμνοῦσιν Ἄγγελοι Θεοῦ· Αὕτη ὑπάρχει σκηνὴ ἐπουράνιος.

## ...ας παίξουμε...

Σε κάθε γραμμή και στήλη χρωματίζουμε τόσα τετράγωνα όσα λέει ο αριθμός.

Αν υπάρχουν δύο αριθμοί θα πρέπει να αφήσουμε κάποιο/α λευκά κενά.

Αν χρωματίσετε σωστά, ένας καλός φίλος μας θα σχηματιστεί!

| | 4 | 2 | 7 | 3 4 | 7 2 | 7 2 | 3 4 | 7 | 2 | 4 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | | | | | | | | |
| 8 | | | | | | | | | | |
| **10** | | | | | | | | | | |
| 1 1 2 1 1 | | | | | | | | | | |
| 1 1 2 1 1 | | | | | | | | | | |
| 1 6 1 | | | | | | | | | | |
| 6 | | | | | | | | | | |
| 2 2 | | | | | | | | | | |
| 4 | | | | | | | | | | |
| 2 | | | | | | | | | | |